गीत–संगीत से गुलजार रहा एमएमएमयूटी

गोरखपुर : मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का माहौल शुक्रवार को अपने स्वभाव से इतर था। विश्वविद्यालय में गंभीर विषयों पर चर्चा के साथ-साथ संगीत की मधुर धुन भी गूंज रही थी। इसकी वजह बन रहा था दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 'अभिव्यक्ति-2017' के शुभारंभ का अवसर। दिन भर विश्वविद्यालय से जुड़े बच्चों ने लोगों को अपनी सांगीतिक कला से थिरकाया तो शाम होते ही बालीवुड के मशहूर पार्श्वगायक गजेंद्र वर्मा ने आयोजन को भव्य बनाने की जिम्मेदारी संभाल ली।

गजेन्द्र वर्मा ने विद्यार्थियों की फरमाइश पर अइवे ना.., फिर सूना.., तुझसे दूर जो होता हूं तो टुकड़ा-टुकड़ा सोता हूं.., तेरा ही रहूं.., मन मोरा..और तूने मेरे जाना कभी नहीं जाना आदि गीत प्रस्तुत कर सभी को मोहित कर दिया। हर गीत पर एमएमएमयूटी के विद्यार्थी अपने अंदाज में खूब थिरके। इससे पहले सुबह 10 बजे आयोजन का शुभारंभ कल्चरल ग्राउंड पर कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने दीप प्रज्जवलन कर किया। छात्र क्रिया-कलाप परिषद के अध्यक्ष प्रो. डीके द्विवेदी ने मुख्य अतिथि प्रो. ओंकार सिंह और उपाध्यक्ष डा. बृजेश कुमार ने विशिष्ट अतिथि प्रो. केजी उपाध्याय का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आये हुए छात्र-छात्राओं के लिए संगीत व नृत्य की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

नृत्य प्रस्तुत करती छात्रा